

**देना स.क्रि.** (तद्.) 1. प्रदान करना, अपनी वस्तु का स्वामी किसी अन्य को बनाना 2. बेचना उदा. यह कमीज कितने की दोगे 3. अर्पित करना, चढ़ाना जैसे- आहुति देना, दक्षिणा देना 4. बाँटना जैसे- प्रसाद देना, भीख देना 5. कुछ समय के लिए अन्य के पास रखना उदा. धोबी को कपड़े देना मत भूलना, अन्य कुछ 6. आशीर्वाद देना, बधाई देना, सलाह देना, समय देना, कष्ट देना, धन्यवाद देना, सुख देना, तनखाह देना, अंडे देना, बच्चे देना इत्यादि 7. कार्य पूर्ण करने के अर्थ में प्रयो. उसने शत्रु को मार दिया, जो भी काम उसे दें वह मिनटों में कर देता है बिना. लेना तु. लेना-काम कर दिया-काम कर लिया।

**देय वि.** (तत्.) देने योग्य, दातव्य, लौटाने योग्य।

**देयक पुं.** (तत्.) बीजक।

**देयता पुं.** (तत्.) दे. देनदारी।

**देयादेय पुं.** (तत्.) 1. देय राशि तथा प्राप्य राशि 2. निर्गम व प्राप्ति जैसे- पुस्तक लेने वालों को पुस्तकालय से पुस्तकें पढ़ने के लिए देना (निर्गम) तथा उनसे वापस प्राप्त करना (प्राप्ति)।

**देर स्त्री.** (फा.) आवश्यकता से अधिक समय होने का भाव, विलंब।

**देरसवेर क्रि.वि.** (फा.) ठीक समय से कुछ पहले या बाद में।

**देरी स्त्री.** (फा.) दे. देर।

**देव पुं.** (तत्.) 1. स्वर्ग में विचरण करने वाले देवता, परमात्मा 2. उपासना करने योग्य देवता, दिव्य शक्तियों से युक्त शक्तियों 3. राजाओं के लिए प्रयुक्त संबोधन (फा.) राक्षस, दैत्य, बड़े आकार का मनुष्य।

**देव ऋण पुं.** (तत्.) शास्त्रोक्त तीन ऋणों में से एक। इससे उऋण होने के लिए उपासना, यज्ञ

आदि कर्म किए जाते हैं, अन्य दो ऋण पितृऋण और ऋषिऋण हैं।

**देवकथा स्त्री.** (तत्.) पुराणोक्त कथाएँ जिनमें देवताओं की वंशावली, कार्यों आदि के विषय में बतलाया गया है, शास्त्रकथा।

**देवकर्म पुं.** (तत्.) देवताओं को संतुष्ट करने के लिए किए जाने वाले कार्य जैसे- संध्या, पूजा, व्रत, उपवास, हवन आदि।

**देवकी स्त्री.** (तत्.) श्रीकृष्ण को जन्म देने वाली माता का नाम।

**देवकीनंदन पुं.** (तत्.) देवकी पुत्र, कृष्ण।

**देवगण पुं.** (तत्.) 1. देवताओं का समूह, द्वादश आदित्य, अष्टा वसु आदि देवों का समूह 2. ज्यो. अश्विनी, रेवती आदि नौ नक्षत्रों का समूह 3. देवताओं का अनुचर 4. शिव के गण जिनके प्रमुख गणेश माने जाते हैं।

**देवगायक पुं.** (तत्.) गंधर्व नामक एक जाति जिनका मुख्य कार्य गाना-बजाना माना जाता है।

**देवगिरा स्त्री.** (तत्.) देववाणी या देवभाषा अर्थात् संस्कृत।

**देवगुरु पुं.** (तत्.) बृहस्पति, देवताओं के गुरु।

**देवगृह पुं.** (तत्.) 1. पूजा का स्थान, मंदिर, महल 2. बिहार राज्य में स्थित एक प्राचीन शहर, देवघर।

**देवतरु पुं.** (तत्.) 1. स्वर्ग के वृक्ष, देवताओं के पेड़ 2. पीपल का पेड़ दे. देवद्रुम।

**देवतर्पण पुं.** (तत्.) देवताओं की संतुष्टि के लिए जल देने की क्रिया।

**देवता पुं.** (तत्.) 1. विविध शक्तियों के अलग-अलग स्वामी जैसे- पवन देव 2. प्रकृति 3. दैवी शक्तियाँ ला.अर्थ. बहुत सीधा-सच्चा व्यक्ति स्त्री. देव-शक्ति, देवत्व मुहा. देवता का कूच कर जाना- व्रस्त हो जाना।